THINK IAS

JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY

CURRENT नामा

03 अक्टूबर 2024

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

Samyak
An Institute For Civil Services

समाज

1. प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2024 को झारखंड के हज़ारीबाग़ से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया- पीआईबी

- 2 अक्टूबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर झारखंड के हजारीबाग से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों के विकास को सशक्त बनाना है।
- साथ ही, प्रधानमंत्री ने 40 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का उद्घाटन किया और पीएम-जनमन के तहत अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के साथ-साथ 25 नए स्कूलों की आधारशिला रखी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान »

- **उद्देश्य:** भारत भर के आकांक्षी जिलों में अनुसूचित जनजाति समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सशक्त बनाना। साथ ही, इस योजना का उद्देश्य 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा संचालित 25 गतिविधियों के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं का विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, और आजीविका में सुधार करना है।
- **लक्ष्य अवधि:** अगले 5 वर्ष।
- **परिव्यय:** 79,156 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्सा: 56,333 करोड़ रुपये, राज्य हिस्सा: 22,823 करोड़ रुपये)
- **कवरेज:** 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों के 63,843 गांव; 5 करोड़ से अधिक अनुसूचित जनजाति के लोगों को लाभ।

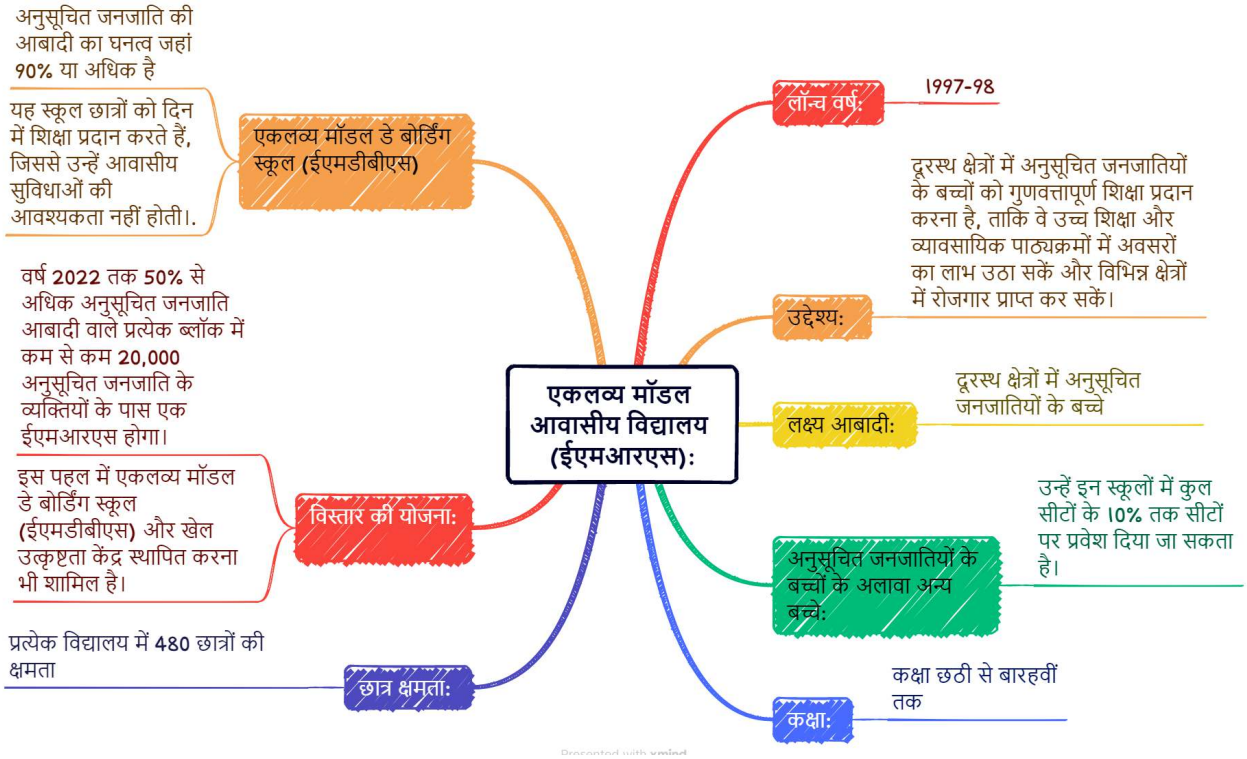

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

2. सरकार के पहले 100 दिनों में एक नई योजना जल ही अमृत को मंजूरी दी गई है – पीआईबी

सरकार ने अपने पहले 100 दिनों में 'जल ही अमृत' योजना को मंजूरी दी है।

'जल ही अमृत' योजना »

- **लॉन्च:** अमृत 2.0 के तहत।
- **उद्देश्य:** राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपयोग किए गए जल उपचार संयंत्रों (यूडब्ल्यूटीपी/एसटीपी) को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और पुन: उपयोग के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उपचारित जल का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- **फोकस:** शहरों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण तथा उपचारित अपशिष्ट जल निर्वहन में गुणात्मक सुधार को प्रोत्साहित करना।
- **मूल्यांकन:** अंतिम मूल्यांकन में स्वच्छ जल क्रेडिट (3 से 5 स्टार रेटिंग) प्रदान किया जाएगा, जो छह माह के लिए वैध होगा।

अमृत 2.0 »

- **अवधि:** 2021-22 से 2025-26
- **उद्देश्य:**
  - वैधानृत शहरों में सीवरेज और सेप्टेज का 100% कवरेज प्रदान करना।
- **फोकस:** सिटी वाटर बैलेंस प्लान (सीडब्ल्यूबीपी) के माध्यम से जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, जिसमें उपचारित सीवेज का पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग, जल निकायों का पुनरुद्धार और जल संरक्षण शामिल है।

राजव्यवस्था

3. राज्यों में खाद्य सुरक्षा कानून – इंडियन एक्सप्रेस

- उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए ग्राहकों के सामने "संचालक, मालिक, प्रबंधक और अन्य संबंधित कर्मियों" के नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है।
- जुलाई में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कांवड़ यात्रा के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के संबंध में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पुलिस द्वारा पारित इसी तरह के आदेशों पर रोक लगा दी थी। न्यायालय ने कहा था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (FSSA), 2006 के तहत केवल सक्षम प्राधिकारी ही ऐसे निर्देश जारी कर सकता है।

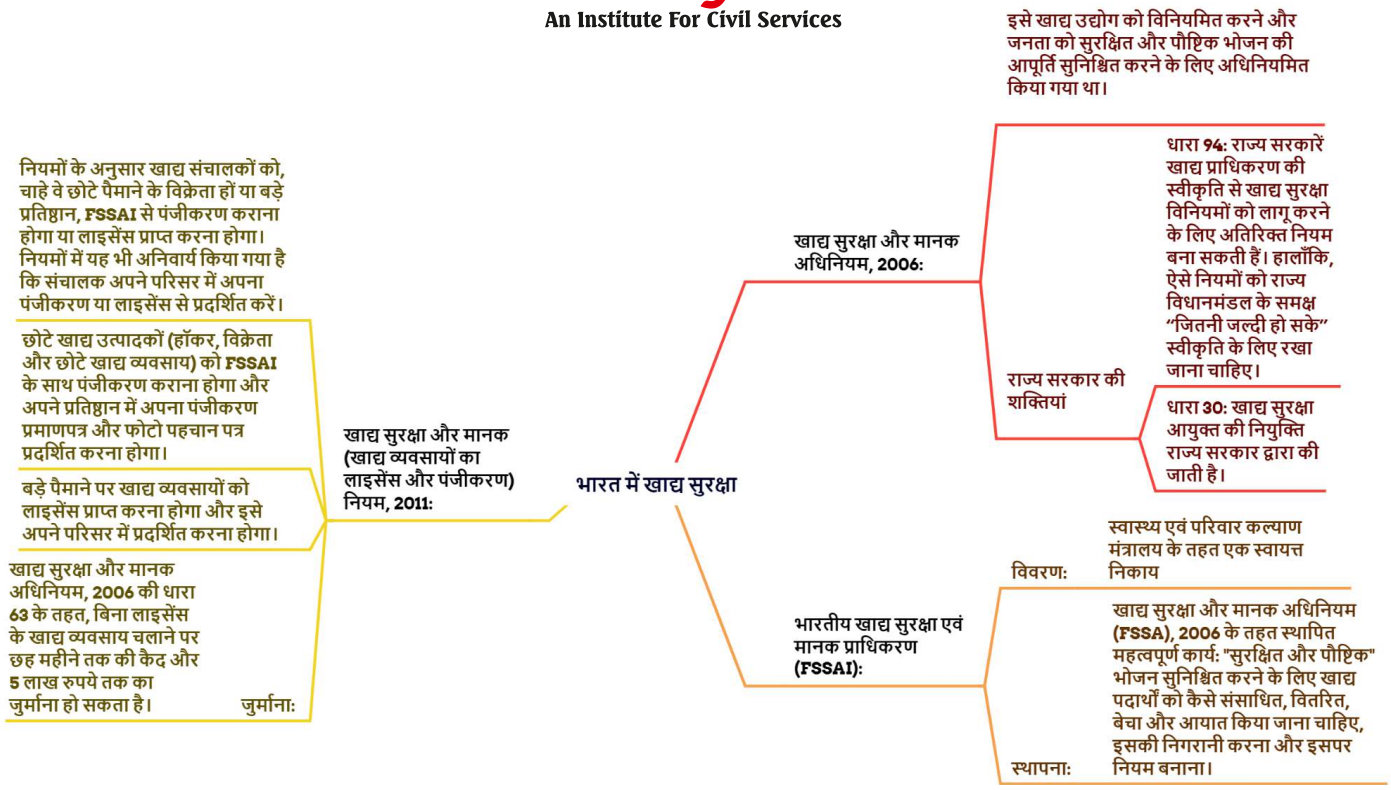

4. लद्दाख किस प्रकार का विशेष दर्जा चाहता है?

हाल ही में, सोनम वांगचुक ने लेह से दिल्ली तक एक पदयात्रा का नेतृत्व किया, जिसमें लद्दाख को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग रखी गई। छठी अनुसूची कुछ जनजातीय क्षेत्रों के लिए शासन में अधिक स्वायत्तता प्रदान करती है, जिसके बारे में कार्यकर्ताओं का तर्क है कि यह लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने और स्थानीय संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक है।

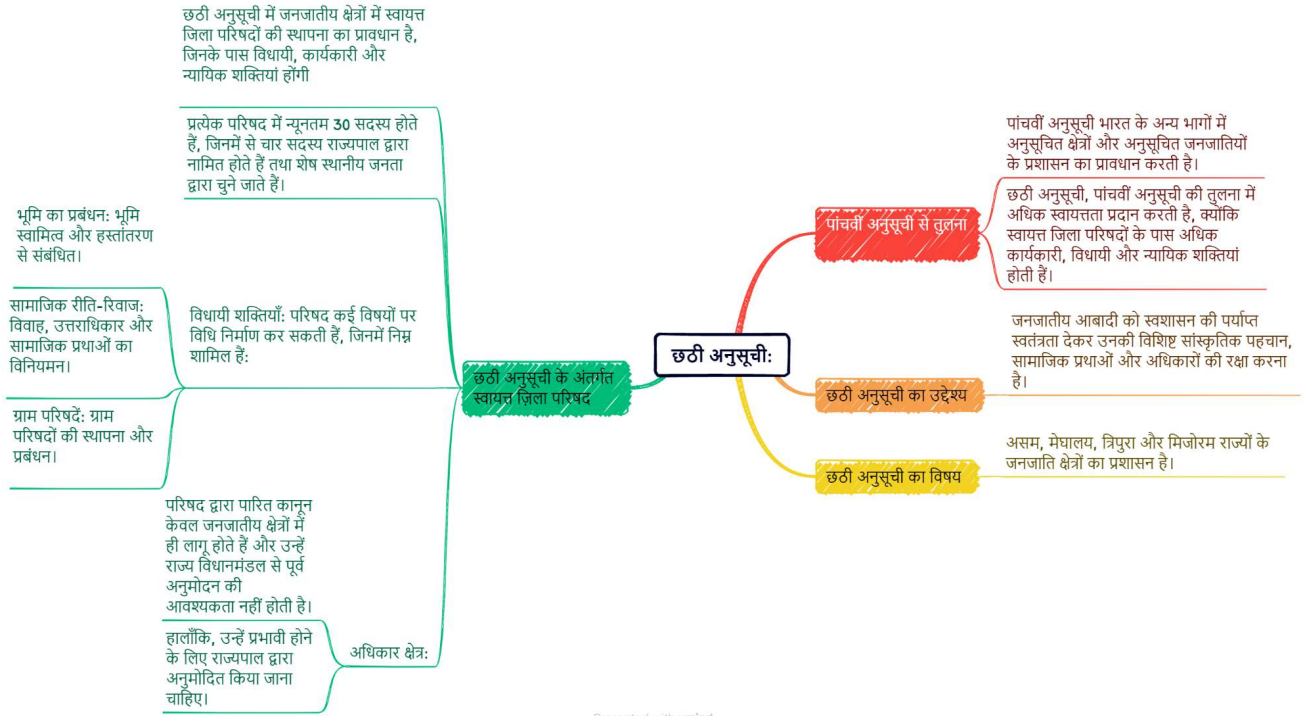

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

वैश्विक मामले

5. इजराइल-ईरान संघर्ष - द हिंदू

ईरान द्वारा इजरायल पर हमले के कारण मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक बाजार में उथल-पुथल मच गई है। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो यह वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को काफी प्रभावित कर सकता है, क्योंकि ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक है।

संघर्ष के बारे में

- **ईरान का मिसाइल हमला:** ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागीं, जिससे पश्चिम एशिया में संघर्ष और तेज हो गया।
- **इजरायली फोकस में बदलाव:** इजरायली सेना ने गाजा में हमास से अपना ध्यान हटाकर लेबनान में हिजबुल्लाह पर केंद्रित कर लिया है।
- **जवाबी कार्रवाई की चिंता:** विश्लेषकों को डर है कि इजरायल की जवाबी कार्रवाई से संघर्ष और भड़क सकता है।
- **नसरल्लाह की हत्या:** हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या से अस्थिरता और बढ़ गई है।
- **व्यापार व्यवधान का जोखिम:** संघर्ष के कारण व्यापार बाधित हो सकता है, क्योंकि हिजबुल्लाह के यमन में हौथी विद्रोहियों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जो अक्सर लाल सागर मार्ग में जहाजों पर हमला करते हैं।

शिपिंग क्षेत्र पर प्रभाव

- **शिपिंग लागत में वृद्धि**
  - अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) डेटा: 2024 की शुरुआत में स्वेज नहर के माध्यम से व्यापार की मात्रा में साल-दर-साल 50% की गिरावट आई, जबकि केप ऑफ गुड होप के पास व्यापार में 74% की वृद्धि हुई।
  - कारण: प्रमुख शिपिंग मार्गों, विशेष रूप से स्वेज नहर और लाल सागर के माध्यम से, में व्यवधान के कारण जहाजों को लंबे रास्ते लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे शिपिंग लागत में 15-20% की वृद्धि हो रही है।
- **भारतीय शिपिंग लाइन की मांग**
  - उद्देश्य: भारतीय निर्यातक सरकार से विदेशी फर्मों पर निर्भरता कम करने के लिए भारतीय शिपिंग लाइन स्थापित करने का आग्रह कर रहे हैं।
  - लाभ: भारतीय शिपिंग लाइन MSME को लाभ पहुंचा सकती है और विदेशी फर्मों के एकाधिकार को कम कर सकती है।

भारत पर प्रभाव

- **लाल सागर में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका**
  - **व्यापार की कमज़ोरी:** भारत को लाल सागर शिपिंग मार्ग में संभावित व्यवधान के कारण जोखिम का सामना करना पड़ रहा है, जो यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के साथ 400 बिलियन डॉलर से अधिक के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है।
  - **हिज़्बुल्लाह-हौथी की भागीदारी:** हिज़्बुल्लाह के सहयोगियों (हौथी) की भागीदारी से इस व्यापार मार्ग में जहाजों पर हमलों का जोखिम बढ़ जाता है।
- **भारतीय पेट्रोलियम निर्यात पर प्रभाव**
  - **निर्यात में गिरावट:** अगस्त 2023 की तुलना में अगस्त 2024 में भारत के पेट्रोलियम निर्यात में 38% की गिरावट आई है, जो बढ़ती शिपिंग लागत और लाल सागर संकट के कारण है।
  - **यूरोपीय बाजार:** बढ़ती लागत ने लाभ मार्जिन को कम कर दिया है, जिससे यूरोप को निर्यात प्रभावित हुआ है, जो भारत के पेट्रोलियम निर्यात का 21% हिस्सा है।
- **यूरोपीय बाज़ार की चुनौतियाँ**
  - **क्षेत्रवार गिरावट:** यूरोपीय संघ को निर्यात में 6.8% की वृद्धि के बावजूद, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण और जूते जैसे क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है।
  - **बढ़ती माल ढुलाई की लागत:** बढ़ती माल की ढुलाई लागत उच्च मात्रा, कम मूल्य वाले निर्यात पर दबाव डाल रही है, जिससे प्रतिस्पर्धा कम हो रही है।
- **पश्चिम एशिया में व्यापार के अवसर**
  - **व्यापार में वृद्धि:** खाड़ी सहयोग परिषद के देशों के साथ व्यापार में 17.8% की वृद्धि हुई, तथा ईरान को निर्यात में 15.2% की वृद्धि हुई, जिससे क्षेत्रीय खिलाड़ियों की तटस्थता को लाभ मिला।
- **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे(IMEC) के लिए जोखिम**
  - **परियोजना:** यह संघर्ष भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे की प्रगति के लिए खतरा है, जो भारत, खाड़ी और यूरोप को जोड़ने वाला एक रणनीतिक गलियारा है, जिसकी घोषणा जी20 2023 के दौरान की गई थी।
  - **व्यापार मार्ग लक्ष्य:** IMEC का लक्ष्य रेल और जहाज नेटवर्क के माध्यम से स्वेज नहर पर निर्भरता को कम करना है, लेकिन चल रहे संघर्ष से इसके विकास को खतरा पैदा हो रहा है।

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

अर्थव्यवस्था

6. सेबी का फ्यूचर्स एंड ऑप्शन नियमों को सख्त बनाने का फैसला, खुदरा निवेशकों की सुरक्षा का लक्ष्य - इंडियन एक्सप्रेस

- सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने निवेशकों की सुरक्षा और बाजार की स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए फ्यूचर्स और ऑप्शंस(एफएंडओ) के नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। नए प्रावधान 20 नवंबर 2024 से लागू होंगे। नये नियम अनुचित जोखिमों को न्यूनतम करने, बाजार स्थिरता बढ़ाने तथा विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन में सुधार लाने पर केंद्रित हैं।

नियमों की आवश्यकता क्यों?

- डेरिवेटिव बाजार, खास तौर पर एफएंडओ में, छोटे शहरों में खुदरा निवेशकों का बढ़ता आकर्षण देखा गया है। इनमें से कई व्यापारियों को अत्यधिक जोखिम लेने के कारण नुकसान उठाना पड़ा है।
- इसका प्रतिकार करने के लिए, सेबी ने न्यूनतम ट्रेडिंग राशि को बढ़ाने, इंट्राडे लीवरेज को कम करने और व्यवस्थित बाजार व्यवहार को बनाए रखने के लिए वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपाय शुरू किए हैं।
- इन परिवर्तनों का लक्ष्य शेयर बाजार में अस्थिरता को कम करना भी है।

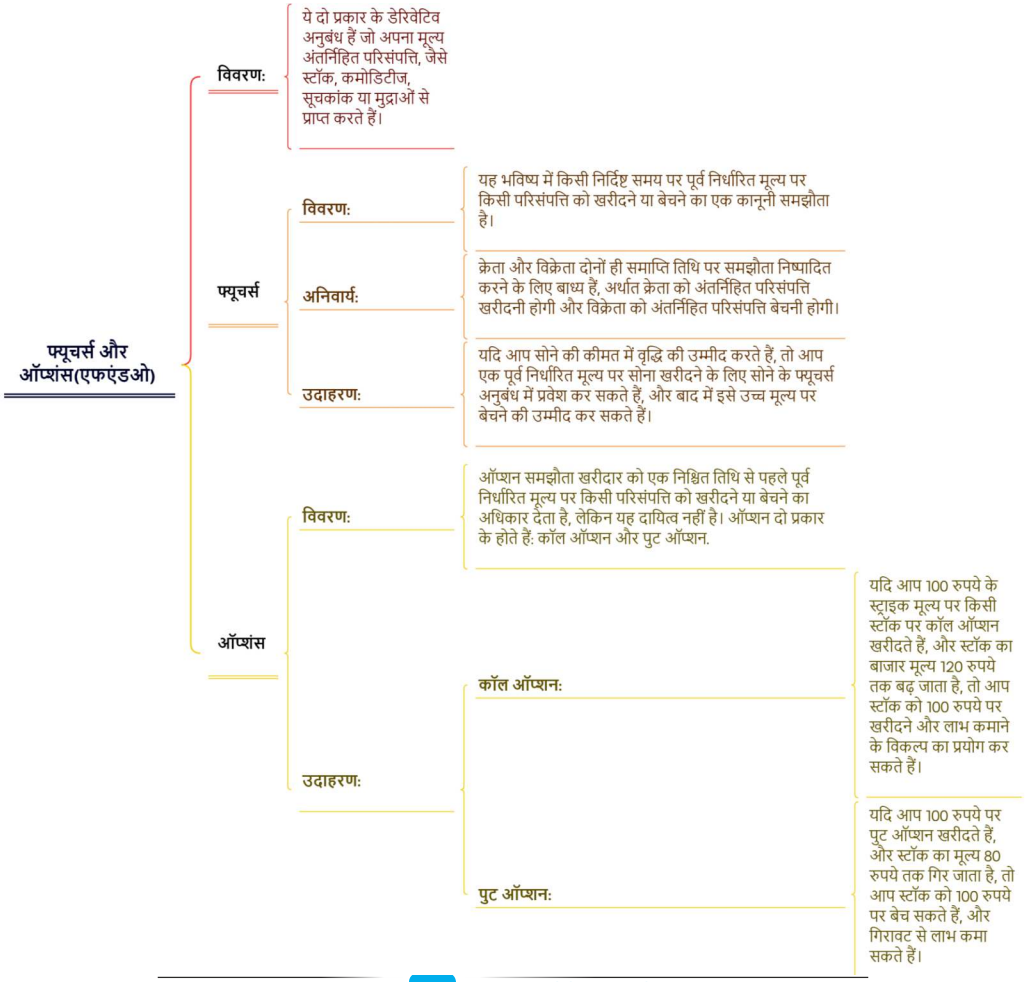

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

पर्यावरण

7. सरकार ने हाथियों की जनगणना पर अपनी रिपोर्ट छापी, फिर ठंडे बस्ते में डाल दी: 5 साल में गिनती में 20% की गिरावट – इंडियन एक्सप्रेस

भारत में हाथियों की घटती आबादी के बारे में विस्तृत जानकारी देने वाली एक सरकारी रिपोर्ट छपी थी, जिसमें पिछले पांच सालों में 20% की कमी दिखाई गई थी। लेकिन इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। रिपोर्ट में विकास परियोजनाओं से हाथियों की प्रजातियों को होने वाले खतरों की पहचान की गई है।

8. मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में हर्पेटोफौना सर्वेक्षण में चार नई प्रजातियाँ पाई गईं – द हिन्दू

मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के भीतर सरीसृपों और उभयचरों - के सर्वेक्षण से 33 सरीसृपों और 36 उभयचरों की पहचान हुई है, जिन्हें पहली बार इस क्षेत्र में दर्ज किया गया।

नई प्रजातियाँ

- **उभयचरों की दो गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियाँ पाई गईं हैं:** माइक्रिक्सलस स्पेलुन्का (गुफा में नाचने वाला मेंढक) और निक्टिबैट्राचस इंद्रानेली (इंद्रानेली का रात्रि मेंढक)
- **उभयचरों की लुप्तप्राय प्रजातियाँ पाई गईं हैं:** स्टार-आइड बुश मेंढक, नीलगिरि बुश मेंढक और नीलगिरि वार्ट मेंढक।

मुदुमलाई टाइगर रिजर्व

- **अवस्थिति:** तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु का त्रि-जंक्शन।
- **शाब्दिक अर्थ:** मुदुमलाई का अर्थ है प्राचीन पहाड़ी श्रृंखला (65 मिलियन वर्ष पुरानी)।
- **सीमाएँ:** पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (केरल) और उत्तर में बांदीपुर टाइगर रिजर्व (कर्नाटक)।
- **पर्यटक आकर्षण:** थेप्पाकाडु हाथी शिविर।
- **वनस्पति:** उष्णकटिबंधीय सदाबहार, नम पर्णपाती, सागौन के जंगल, घास के मैदान।
- **वनस्पति:** हाथी घास, बांस, और सागौन और शीशम जैसी लकड़ी की प्रजातियाँ।
- **जीव-जंतु:** हाथी, गौर, बाघ, तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाला हिरण, जंगली सूअर, आदि।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

9. नए शोध से पता चलता है कि साइकेडेलिक दवाएं चिंता और अवसाद के उपचार के लिए क्यों उपयोगी हैं – इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में किए गए शोध में साइकेडेलिक्स, खास तौर पर सेरोटोनर्जिक, की चिंता और अवसाद जैसे लक्षणों को प्रभावी ढंग से कम करने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया है। यह अध्ययन उन जटिल तंत्रों पर प्रकाश डालता है जिनके माध्यम से ये पदार्थ मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं, जो चिंता और अवसाद के लिए लक्षित उपचार विकसित करने की दिशा में एक रास्ता सुझाता है।

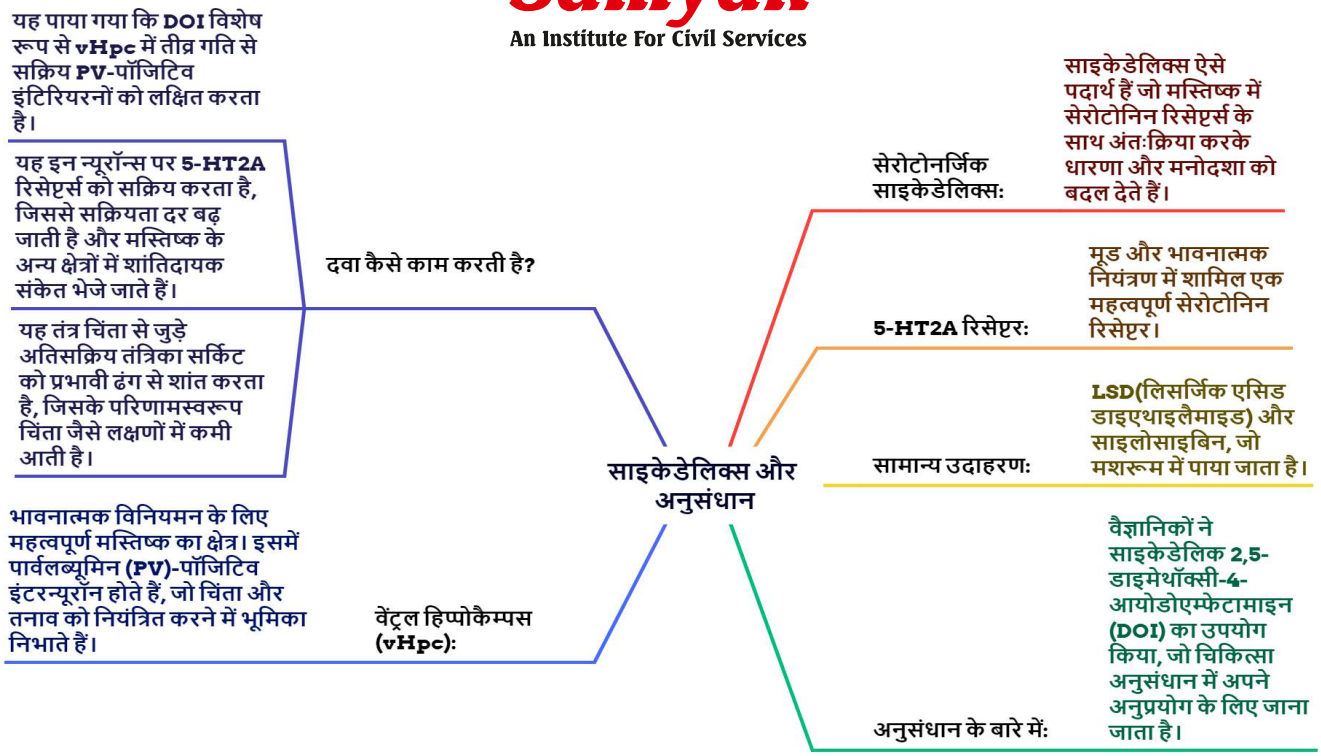

10. पांच सौ मीटर एपर्चर गोलाकार टेलीस्कोप (फास्ट) – द हिन्दू

चीन ने विश्व की सबसे बड़ी एकल-डिश रेडियो दूरबीन की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए निर्माण के दूसरे चरण का कार्य शुरू कर दिया है।

पांच सौ मीटर एपर्चर गोलाकार टेलीस्कोप (फास्ट)

- **विवरण:** चीन के गुइझोऊ प्रांत में स्थित यह रेडियो टेलीस्कोप दुनिया का सबसे बड़ा और सर्वाधिक संवेदनशील रेडियो टेलीस्कोप है, जिसका ग्रहण क्षेत्र 30 फुटबॉल मैदानों के बराबर है।
- **आयाम:** 500 मीटर व्यास
- **उद्देश्य:**
  - ब्रह्मांड के किनारे पर तटस्थ हाइड्रोजन का पता लगाना; प्रारंभिक ब्रह्मांड की छवियों का पुनर्निर्माण करना;
  - पल्सर की खोज करना, पल्सर टाइमिंग सरणी स्थापित करना, और भविष्य में पल्सर नेविगेशन और गुरुत्वाकर्षण तरंग का पता लगाने का प्रयास करना;
  - खगोलीय पिंडों की अति सूक्ष्म संरचनाएं प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अति-दीर्घ-आधार रेखा इंटरफेरोमेट्री नेटवर्क से जुड़ना;
  - उच्च-रिज़ॉल्यूशन रेडियो स्पेक्ट्रल सर्वेक्षण करना; | ○ कमज़ोर अंतरिक्ष संकेतों का पता लगाना;
  - अलौकिक बुद्धिमत्ता की खोज में भाग लेना।
- **क्रियाविधि:** यह अपने द्वारा उत्पन्न विशाल मात्रा में डेटा का प्रबंधन करने के लिए पर्थ, ऑस्ट्रेलिया स्थित ICRAR (अंतर्राष्ट्रीय रेडियो खगोल विज्ञान केंद्र) तथा ESO (यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला) द्वारा विकसित डेटा प्रणाली का उपयोग करता है।